MASA-07

December - Examination 2025
M.A. (Final) Examination
SANSKRIT
साहित्यशास्त्र
Paper : MASA-07

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– यह प्रश्नपत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) मम्मटोक्त काव्यप्रयोजनों में उपदेश शैली कितने प्रकार की होती है?
   (ii) ''तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्'' का अर्थ लिखिए।
   (iii) रस के चार प्रसिद्ध मतों में भुक्तिवाद के प्रवर्तक कौन हैं?
   (iv) आचार्य मम्मट के अनुसार किन्हीं दो रस दोषों के नाम लिखिए।
   (v) आनन्दवर्द्धनाचार्य के अनुसार प्रतीयमान अर्थ किसके समान अलग ही प्रकाशित होता है?
   (vi) रसध्वनि के विषय में आचार्य शंकुक का मत किस नाम से जाना जाता है?
   (vii) आचार्य कुन्तक के अनुसार काव्य का प्रयोजन लिखिए।
   (viii) राजशेखर विरचित काव्यमीमांसा में कुल कितने अध्याय हैं?

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. अधोलिखित में से किसी एक कारिका की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
   (i) संकेतितश्चतुर्भेदो जात्यादिर्जातिरेव वा।

   अथवा

   (ii) अविवक्षितवाच्यो यस्तत्र वाच्यं भवेद् ध्वनौ।
   अर्थान्तरे संक्रमितमत्यन्तं वा तिरस्कृतम्।।

3. निम्नलिखित में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या संस्कृत में कीजिए :

(i) योऽर्थः सहृदयश्लाघ्यः काव्यात्मेति व्यवस्थितः।
वाच्यप्रतीयमानाख्यौ तस्य भेदावुभौ स्मृतौ।।

अथवा

(ii) काव्यस्यात्मा स एवार्थस्तथा चादिकवेः पुरा।
क्रौंचद्वन्द्वियोगोत्थः शोकः श्लोकत्वमागतः।।

4. काव्यप्रकाश में वर्णित काव्य प्रयोजनों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
5. 'लक्षणा तेन षड्विधा' उक्ति के आधार पर लक्षणा के भेदों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
6. आनन्दवर्द्धनाचार्य के पूर्ववर्ती ध्वनिविरोधी मतों का उल्लेख करते हुए उनकी समीक्षा कीजिए।
7. ध्वन्यालोककार द्वारा निरूपित ध्वनि के भेदों का विवेचन कीजिए।
8. वक्रोक्तिकाव्यजीवितम् के आधार पर काव्य के त्रिविध मार्गों का वर्णन कीजिए।
9. काव्यमीमांसा में वर्णित काव्य प्रयोजन एवं काव्य स्वरूप का विवेचन कीजिए।

खण्ड–'स' **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. काव्यप्रकाश में वर्णित काव्य के स्वरूप एवं भेदों का विवेचन कीजिए।
11. आचार्य मम्मटोक्त ध्वनिकाव्य का निरूपण करते हुए उसके भेदों की विवेचना कीजिए।
12. ''त्रयस्ते न पुनर्दशः'' उक्ति का युक्तिसंगत विश्लेषण कीजिए।
13. काव्यशास्त्र में ध्वनि के प्रतिष्ठापक आचार्य आनन्दवर्द्धन के योगदान की समीक्षा कीजिए।